

३. सवैये

प्रस्तावना

* ईश्वर अल्लाह तेरो नाम, सबको सन्मति दे भगवान। चाहे उसे ईश्वर कहो या अल्लाह। ये दोनों एक ही है और इस विचारधारा को सही मायनो में सार्थक करने वाले थे कवि रसखान जी। जिनका असली नाम था 'सैयद इब्राहिम'। दिल्ली के एक संपन्न परिवार में जन्म लेने वाले रसखान जी ने विठ्ठलनाथ जी से दीक्षा ग्रहण कर ब्रज में रहकर कृष्ण भक्ति के पद लिखे। इनकी अनन्य कृष्ण भक्ति को देखकर भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने कहा था की 'इन मुसलमान हरिजनन पर कोटिक हिन्दू वारिए।

'सूजान रसखान', 'प्रेम वाटिका' और 'रसखान रचनावली' उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ हैं। यहाँ इस कविता में रसखान के चार सवैये लिए गए हैं जिसमें उनकी कृष्ण के प्रति भक्ति देखने को मिलती है। तो आइए हम कवि रसखान रचित इस तीसरे काव्य का अभ्यास करते हैं जिसका नाम है सवैये।

स्वाध्याय

१. निम्नलिखित प्रश्नों के नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए :

१. यमुना किनारे कदंब की डाल पर रसखान किस रूप में बसना चाहते हैं ?

- (अ) पशु
- (ब) भगवान
- (क) पक्षी
- (ड) मनुष्य

२. आठ सिद्धि और नव निधि का सुख प्राप्त होता है

- (अ) नंद की धेनु चराने में ।
- (ब) यमुना किनारे स्नान करने में ।
- (क) कदंब के वृक्ष पर बसने में ।
- (ड) मुरली बजाने में ।

३. कलधौत के धाम का अर्थ होता है

- (अ) काली यमुना नदी ।
- (ब) सोने का राजमहल ।
- (क) चाँदी का राजमहल ।
- (ड) कृष्ण का राजमहल ।

४. गोपी गले मे माला पहनना चाहती है ।

- (अ) सोने की
- (ब) हीरो की
- (क) मोतियो की
- (ड) गुंजे की

२. निम्न लिखित प्रश्नों के एक-एक वाक्य मे उत्तर लिखये:

१. मनुष्य के रूप मे रसखान कहा बसना चाहते है ?

उत्तर : मनुष्य के रूप मे रसखान गोकुल गाँव मे ग्वालो के साथ बसना चाहते है ।

२. पशु के रूप मे कवि कहा निवास करना चाहते है ?

उत्तर : पशु के रूप मे कवि नंद की गायों के बीच निवास करना चाहते है ।

३. रसखान किस पर्वत का पत्थर बनना चाहते है ?

उत्तर : रसखान गोवर्धन पर्वत का पत्थर बनना चाहते है ।

४. पशुयोनि मे जन्म मिलने पर कवि क्या करना चाहते है ?

उत्तर : पशुयोनि मे जन्म मिलने पर कवि नंद की गायों के बीच चरने का मौका चाहते है ।

३. निम्न लिखित प्रश्नों के दो- तीन वाक्य मे उत्तर लिखये:

१. लकुटी लेकर रसखान क्या करना चाहते है ? क्यों ?

उत्तर : लकुटी मिल जाने पर उसे लेकर कवि श्री कृष्ण के जैसे गयो को चराना चाहते है । क्योंकि ईससे कवि को यह अहसास होता है कि वह श्री कृष्ण के निकट है ।

२. श्री कृष्ण को रिजाने के लिए गोपी क्या – क्या करना चाहती है ?

उत्तर : कवि रसखानजी कहते है कि श्री कृष्ण को रिजाने के लिए गोपी मोरपंख सिर पर धारण करना चाहती है । श्री कृष्ण गले मे गुँजो की माला पहनते है, वैसी माला पहनना चाहती है । और पितांबर ओढ़कर तथा लकुटी लेकर ग्वालो के साथ बन मे फिरना चाहती है ।

३. गोपी कृष्ण की मुरली को अपने पर क्यों नही रखना चाहती ?

उत्तर : मुरलीधर श्री कृष्णने मुरली को अपने अधरो से छूकर पावन किया है । वह पावन मुरली गोपी के होठो से छूकर झूठी न हो जाए ईसलिए वह अपने अधरो पर नही रखना चाहती ।

४. निम्न लिखित प्रश्नों के चार - पाँच वाक्य में उत्तर लिखिये:

१. रसखान श्री कृष्ण का सामीप्य किन रूपों में किस प्रकार चाहते हैं ?

उत्तर : रसखान श्री कृष्ण के अनन्य भक्त हैं इसलिए श्री कृष्ण से जुड़ी हर चीज से वह सामीप्य चाहते हैं। वह कहते हैं कि यदि अगला जन्म उसे मनुष्य के रूप में मिलता है, तो गोकुल गाँव का गाय चराने वाला ग्वाला बनना चाहते हैं, ताकी श्री कृष्ण के समीप रह सकें। और यदि पशु का अवतार मिले तो कवि कहते हैं कि उसका बसेरा चारा चराती हुई नंद की गायों के बीच हो। रसखानजी कहते हैं कि वह अगर पत्थर बनते हैं तो उसी पहाड़ का पत्थर बने जिसको श्री कृष्ण भगवान ने अपनी उंगली पे धारण किया था। इतना ही नहीं वे कहते हैं कि यदि पक्षी के रूप में जन्म मिले तो वह उन्ही कदंब के वृक्ष पर बसेरा चाहते हैं, जिस पर बैठकर भगवान श्री कृष्ण बाँसूरी बजाया करते थे।

२. कवि श्री कृष्ण से संबंधित किन वस्तुओं की अभिलाषा करता है। इनके लिए वह किन वस्तुओं को छोड़ने के लिए तैयार है ?

उत्तर : कवि रसखानजी लिखित मुफ्तक 'सवैये' में कवि की श्री कृष्ण के प्रति अनन्य भक्ति दिखाई देती है। इस के लिए वह उन वस्तुओं की अभिलाषा करते हैं जो श्री कृष्ण के समीप हो। गैया चराते समय श्री कृष्ण के पास रहने वाली लाठी और कंबल के लिए वे तीनों लोको का राज्य छोड़ने को तैयार हैं। अगर नंद की गाय चराने का सुख मिले तो वे आठो सिद्धियों - नौ निधियों के सुख को भी भूलने को तैयार हैं। इतना ही नहीं कवि कहते हैं कि अगर उनकी आंखों को कभी भी ब्रज के बाग - बगीचे या तालाब के दर्शन होते हैं तो वह सेकड़ों सोने के राजमहेलों को छोड़कर कांटोभरी झाड़ी में बसने के लिए तैयार हैं।

३. कृष्ण की मुरली का ब्रज की स्त्रीयों पर क्या प्रभाव पड़ा ?

उत्तर : श्री कृष्ण ने मोहित कर देने वाली मुरली की तान बजाकर ब्रज स्त्रीयों को प्रसन्न कर दिया है। श्री कृष्ण ने उन स्त्रीयों पर कुछ तो ऐसा जादू - टोना कर दिया है कि वे सबके हृदय में समा गये हैं। ऐसा लगता है की किसी को कोई परवा या चिंता नहीं है। सारे ब्रजवासी ने मानो अपने आप को श्री कृष्ण को सोप दिया है। सभी उसके रंग में रंग चुके हैं।

४. कृष्ण के प्रति अपनी भक्ति प्रदर्शित करने के लिए रसखान क्या - क्या न्योछावर करना चाहते हैं ?

उत्तर : रसखानजी को श्री कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम है। इसलिए श्री कृष्ण की लाठी और कंबल उसे मिल जाए तो उस पर वो तीनों लोको के राज्य को न्योछावर करने को तैयार है। श्री कृष्ण गोकुल नंद की गाय चराने जाते थे। अगर उन गायों

चराने का मौका कवि को मिलता है तो वह आठ सिद्धि और नों निधि का सुख न्योछावर करने को तैयार है। कवि को ब्रज के बाग – बगीचे तालाब के दर्शन करने की ईच्छा है, ईतना ही नहीं वह ब्रज की कांटो से भरी झाड़ी मे बसने के लीए करोड़ो सोने के महेलो को भी न्योछावर कर देंगे।

५. उचित जोड़े बनाईए :

अ	ब
मनुष्य	नंद की गाय
पशु	यमुना के किनारे कदंब की डाल
पक्षी	गोवर्धन पर्वत
पत्थर	गोकुल गाँव

उत्तर :

अ	ब
मनुष्य	गोकुल गाँव
पशु	नंद की गाय
पक्षी	यमुना के किनारे कदंब की डाल
पत्थर	गोवर्धन पर्वत